स्त्री मनोरक्षा प्रशिक्षण/ट्रेनिंग

पारिवारिक संदर्भ में हिंसा: हस्तक्षेप करने के तरीके

© Project Stree Manoraksha, NIMHANS

उद्देश्य

© Project Stree Manoraksha, NIMHANS

सीखने के उद्देश्य

1. परिवार और युगल के संदर्भ में हिंसा के प्रकारों को समझना।
2. दंपत्ति के बीच हिंसा के विभिन्न योगदान कारकों को समझना।
3. अंतरंग साथी हिंसा का पारिस्थितिक मॉडल
4. सामाजिक परिस्थिति
5. युगल के बीच हिंसा के व्यक्तिगत विशिष्ट योगदानकर्ता

© Project Stree Manoraksha, NIMHANS

हिंसा के प्रकारों को समझना

© Project Stree Manoraksha, NIMHANS

हिंसा का पैमाना.....

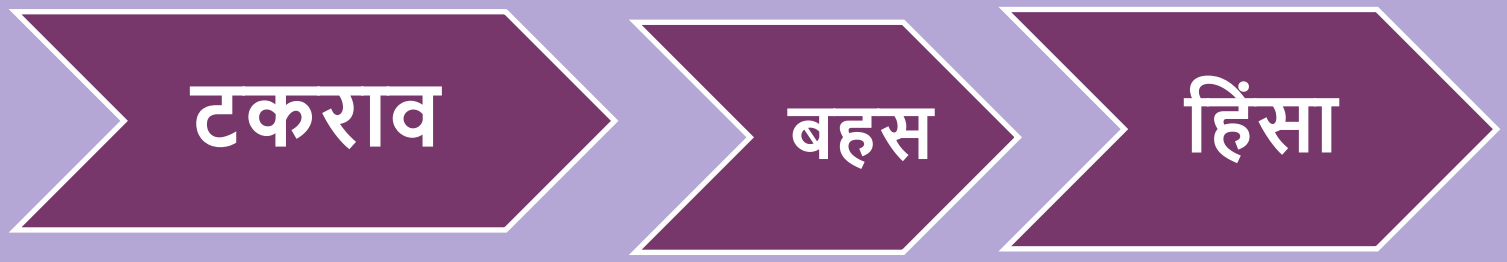

© Project Stree Manoraksha, NIMHANS

संघर्ष और असहमति

- असहमति: किसी बात के बारे में अलग राय रखना।
- संघर्ष: दो लोगों के बीच उनकी राय में मतभेद के कारण कोई तर्क।

© Project Stree Manoraksha, NIMHANS

एक जोड़े के बीच हिंसा के प्रकार

- शारीरिक हिंसा
- भावनात्मक हिंसा
- यौन हिंसा
- व्यवहार को नियंत्रित करना

© Project Stree Manoraksha, NIMHANS

युगल के बीच हिंसा में योगदान करने वाले कारक

अंतरंग साथी हिंसा का पारिस्थितिक (इकोलॉजिकल)मॉडल

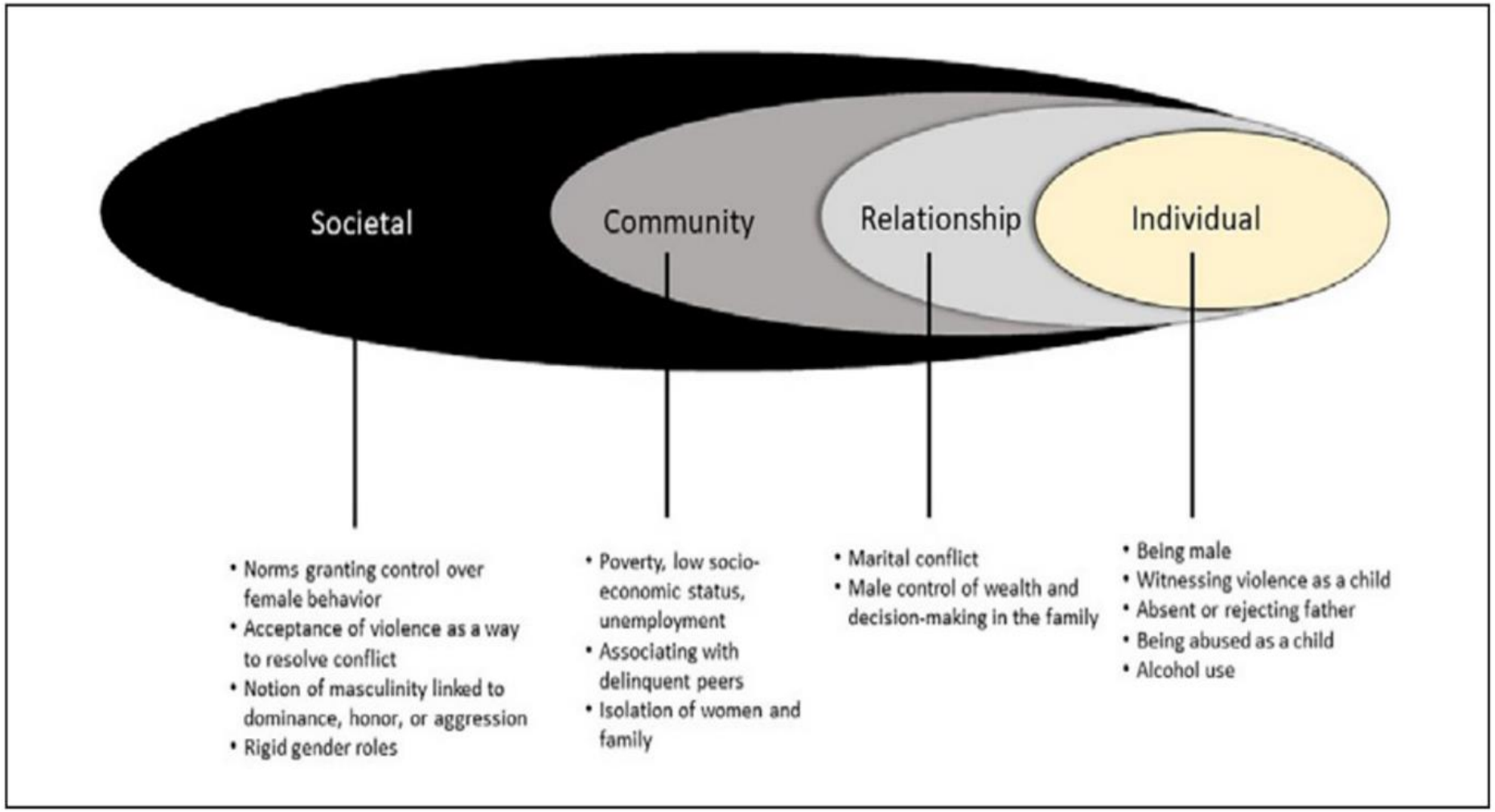

आईपीवी का नेस्टेड पारिस्थितिक मॉडल (इकोलॉजिकल)(हेइज़, 1998)

सामाजिक परिस्थिति

- पितृसत्तात्मकता
- जातिगत भूमिकायें
- शक्ति असंतुलन
- विषाक्त मर्दानगी

© Project Stree Manoraksha, NIMHANS

पितृसत्तात्मकता

❑लिंग पर केंद्रित समाज की विश्वास प्रणाली

❑ पुरुषों में महिलाओं की तुलना में अधिक शक्ति होती है।

❑विशिष्ट लिंग भूमिकाएँ समाज द्वारा सौंपी जाती हैं।

❑परिवार लिंग भूमिकाओं को अगली पीढ़ियों को सौंपा जाना

© Project Stree Manoraksha, NIMHANS

जातिगत भूमिकायें

लिंग भूमिकाएँ कुछ निश्चित पारंपरिक रूप से आयोजित की जाती हैं, प्रत्येक लिंग के लिए सामाजिक रूप से निर्धारित भूमिकाएँ।

यह सामाजिक मान्यताओं के बारे में है कि पुरुषों को एक निश्चित तरीके से कार्य करना चाहिए क्योंकि वे पुरुष हैं और महिलाओं को एक निश्चित तरीके से कार्य करना चाहिए जैसे वे महिलाएं हैं।

© Project Stree Manoraksha, NIMHANS

जातिगत भूमिकायें

समाज में महिलाओं के लिए कुछ स्थापित लिंग भूमिकाएँ हैं-

महिलाओं को घर के सारे काम करने चाहिए और बच्चों की देखभाल करनी चाहिए।

महिलाओं को घर से पुरुषों की अनुमति के बिना बाहर नहीं निकलना चाहिए।

महिलाओं को मृदुभाषी, क्षमाशील और परिवार के अन्य सदस्यों के सर्वोत्तम हित में सब कुछ करना

© Project Stree Manoraksha, NIMHANS

जातिगत भूमिकायें

महिलाओं को अपनी राय सार्वजनिक रूप से साझा नहीं करनी चाहिए।

महिलाओं को किसी भी बात में पुरुषों का विरोध नहीं करना चाहिए।

महिलाओं को परिवार में निर्णय निर्माता नहीं होना चाहिए।

परिवार में वित्तीय पहलुओं को पुरुषों द्वारा निपटाया जाना चाहिए।

© Project Stree Manoraksha, NIMHANS

शक्ति असंतुलन

भागीदारों के बीच नियंत्रण और शक्ति का असमान वितरण।

परिवारों में महिलाओं पर पुरुषों का ही वर्चस्व होता है।

पुरुष निर्णय लेता है और शक्ति का प्रयोग करता है जिससे साथी के साथ-साथ उनके रिश्ते के लिए भी नुकसान हो सकता है।

© Project Stree Manoraksha, NIMHANS

विषाक्त मर्दानगी

मर्दानगी की हानिकारक अवधारणा जो 'मर्दानगी' को अत्यधिक महत्व देती है:

- ताकत
- भावना की कमी
- आत्मनिर्भरता
- प्रभाव (डोमिनेन्स)
- यौन रूप से अधिक सक्षम

© Project Stree Manoraksha, NIMHANS

हिंसा का सामना करने वाली महिलाओं के प्रति परिवार का रवैया

परिवार के सम्मान की रक्षा करना: परिवार में हिंसा की जानकारी बाहर जाने से परिवार का मान-सम्मान प्रभावित होगा।

परिवार जो हिंसा को छोड़ देते हैं: हिंसा को परिवार को विनियमित करने के एक तरीके के रूप में स्वीकार करना।

तलाक का कलंक: तलाकशुदा महिला के बारे में कलंक परिवार में कलंक लाता है।.

© Project Stree Manoraksha, NIMHANS

युगल के बीच हिंसा के व्यक्तिगत विशिष्ट योगदानकर्ता

हिंसक का मानसिक स्वास्थ्य

मानसिक विकारों की उपस्थिति (अवसाद, चिंता, गंभीर मानसिक बीमारियां)।

मादक द्रव्यों का सेवन (शराब, अन्य दवाएं)।

व्यक्तित्व विकार (परिणामों पर विचार किए बिना आवेगपूर्ण ढंग से कार्य करने की प्रवृत्ति; मनोदशा अप्रत्याशित और एकदम से बदल जाने वाली है)।

© Project Stree Manoraksha, NIMHANS

हिंसक में देखे गए व्यक्तित्व विकार

असामाजिक व्यक्तित्व विकार
दूसरों की जरूरतों या भावनाओं की अवहेलना; आक्रामक, हिंसक व्यवहार में संलग्न; कानून का बार-बार उल्लंघन; व्यवहार के लिए पछतावे की कमी

पैरानॉयड व्यक्तित्व विकार
व्यापक अविश्वास और दूसरों का संदेह; अनुचित, आवर्तक संदेह कि पति या पत्नी बेवफा है (ठिकाने की जाँच, फोन)।

भावनात्मक रूप से अस्थिर व्यक्तित्व विकार
अनुचित, तीव्र क्रोध, बार-बार आपा खोना, कटु होना, शारीरिक झगड़े होना। आवेगी और जोखिम भरा व्यवहार (जुआ, असुरक्षित यौन संबंध, नशीली दवाओं का दुरुपयोग, अच्छी नौकरी छोड़ना, आदि)

नार्सिसिस्टिक व्यक्तित्व विकार
दूसरों की जरूरतों और भावनाओं को पहचानने में विफलता; अभिमान; फुलाया आत्मसम्मान; स्वयं को श्रेष्ठ समझना; दूसरों के प्रति उदासीन।

© Project Stree Manoraksha, NIMHANS

नशीले पदार्थ का उपयोग

- अंतरंग साथी हिंसा के साथ एक बाई - डायरेक्शनल संबंध है।
- उपयोग किया जाने वाला सबसे आम पदार्थ शराब है।
- शराब किसी व्यक्ति की सोच, तर्कशक्ति को कमजोर करती है और एक व्यक्ति में निषेध का कारण बनती है, जिससे वह आवेगपूर्ण प्रतिक्रिया करता है।
- आईपीवी नशे के दौरान और उस के साथ-साथ विड्रॉल के दौरान भी हो सकता है।

© Project Stree Manoraksha, NIMHANS

पदार्थ का उपयोग

मादक द्रव्यों के सेवन से हिंसा की आवृत्ति और तीव्रता बढ़ जाती है।

सामाजिक धारणाओं के कारण भी ऐसा होता है कि मनुष्य को 'मर्दाना' होने के लिए नशीले पदार्थों का सेवन करना चाहिए।

अक्सर पुरुषों द्वारा मादक द्रव्यों का उपयोग और उस से होने वाली हिंसा को सांस्कृतिक और सामाजिक रूप से स्वीकार किया जाता है।

© Project Stree Manoraksha, NIMHANS

नारीवाद

नारीवाद सभी लिंगों के समान अधिकार और अवसर रखने के बारे में है।

यह विविध महिलाओं के अनुभवों, पहचान, ज्ञान और शक्तियों का सम्मान करने और सभी महिलाओं को उनके पूर्ण अधिकारों का एहसास कराने के लिए तथा उन्हें सक्षम बनाने का प्रयास के बारे में है।

© Project Stree Manoraksha, NIMHANS

महिलाओं के खिलाफ हिंसा के नारीवादी सिद्धांत

क्रमांक	सिद्धांत	विवरण
1.	नियंत्रण की रणनीति	महिला को नियंत्रित करने की रणनीति के रूप में हिंसा का प्रयोग : • भावनात्मक शोषण • अलग कर देना • धमकी • डराना • आर्थिक शोषण • यौन शोषण • शारीरिक शोषण • हावी होने के लिए सांस्कृतिक मानदंडों का उपयोग करना।
2.	आशय	अपमानजनक व्यवहार जानबूझकर किया जाता है, और ये अनियंत्रित क्रोध या आवेग का परिणाम नहीं होता है ।

© Project Stree Manoraksha, NIMHANS

क्रमांक	सिद्धांत	विवरण
3.	भावनाएँ	क्रोध, हताशा, शत्रुता और असुरक्षा की भावनाएँ व्यक्ति को हिंसक नहीं बनाती हैं।
4.	न्यूनीकरण , इनकार करना , और दोष देना	किसी के हिंसा के कृत्यों के लिए दूसरों को दोष देना, अपनी गलती अस्वीकार करना और उसे काम मानना, किसी के व्यवहार की जिम्मेदारी लेने से बचने का एक प्रयास है.

© Project Stree Manoraksha, NIMHANS

क्रमांक	सिद्धांत	विवरण
5.	नकारात्मक प्रभाव	गाली गलौज करने वाले को अक्सर वही मिलता है जो वह चाहता है, इसका उस पर, उस महिला पर जिस महिला के साथ वह दुर्व्यवहार करता है, उसके बच्चों पर और परिवार और दोस्तों के साथ उसके संबंधों पर नकारात्मक प्रभाव डालता है।
6.	अहिंसक संबंध	ऐसे सम्बन्ध बनाना संभव है जो समानता पर आधारित है और उनमे हिंसा नहीं है।

© Project Stree Manoraksha, NIMHANS